पीबीएम अस्पताल में भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं पर कांग्रेस ने मोर्चा खोला

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीबीएम में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं और चिकित्सा सुविधाओं की बदहाली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने बड़ा हमला बोला है।

कांग्रेस नेता बिशनाराम सियाग की अगुवाई में अस्पताल अधीक्षक सहित अस्पताल प्रशासन के विरूद्ध सैकड़ों कांग्रेसजनों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। ज्ञापन सौंपने और अस्पताल अधीक्षक से वार्ता करने के लिए प्रदर्शनकारी नेता प्रशासनिक ब्लॉक में घुसने लगे तो पुलिस ने अंदर नहीं जाने दिया और गेट पर ही रोक लिया गया। इस दौरान पुलिस से धक्का मुक्की भी हुई।

पीबीएम अस्पताल में भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस नेता बिशनाराम सियाग की अगुवाई में अस्पताल अधीक्षक को ज्ञापन देने गए कांग्रेसजनों को पुलिस ने रोका।

- **कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में सफाई कर्मी, वार्ड बॉय, सुरक्षाकर्मी और कैन्टीन ठेकों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हो रहा है**

गुस्साए कांग्रेस नेताओं और नेता बिशनाराम सियाग का ज्ञापन फाड़ दिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि पीबीएम अस्पताल में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। वार्डों और शौचालयों में गंदगी के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं करोड़ों रूपये की लागत से नवनिर्मित मेडिसिन विंग तैयार होने के बावजूद शुरू नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाये गए हैं। कांग्रेसजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में सफाई कर्मी, वार्ड बॉय, सुरक्षाकर्मी और कैन्टीन ठेकों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हो रहा है। नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में बेरोजगार युवाओं से एक से ढाई लाख रूपये रिश्वत लेकर नियुक्तियां देने के आरोप भी ज्ञापन में लगाये गए हैं।

साथ ही डॉक्टरों के फर्जी हस्ताक्षरों और मोहरों का उपयोग कर महंगी दवाओं की चोरी तथा फर्जी बिलों के जरिए भुगतान उठाने जैसे गंभीर आरोप भी लगाये गए हैं। ज्ञापन में कैंसर मरीजों के पेट स्कैन और हृदय रोगियों की एंजियोग्राफी से जुड़े भुगतानों में करोड़ों रूपये के कथित फर्जीवाड़े का मुद्दा भी उठाया गया है। कांग्रेस ने वर्ष 2022 से अब तक हुए भुगतानों की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार अस्पताल में छल्ला (स्टेंट), सिरिंज, केनुला, बैंडेज और अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्री की कमी बनी हुई है।

ट्रोमा सेंटर, जनाना वार्ड और अन्य वार्डों में एसी, कूलर और पंखे खराब पड़े हैं। बैडों की कमी के कारण गंभीर मरीजों को भी भर्ती नहीं किया जा रहा है। नेत्र रोग विभाग में लैंस और दवाओं की कमी के चलते मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए लम्बी प्रतीक्षा सूची चल रही है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अस्पताल को वर्षों से दानदाताओं द्वारा दिए गए कूलर, एसी, फ्रिज और अन्य उपकरणों का समुचित रिकॉर्ड नहीं रखा गया है, जिससे उनकी स्थिति और उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस नेता बिशनाराम सियाग ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिन में नवनिर्मित मेडिसिन विंग शुरू नहीं की व समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच शुरू नहीं हुई तो कांग्रेसजन पीबीएम अस्पताल के बाहर विशाल धरना-प्रदर्शन करेगी।

होटल में पंखे से लटक कर अधेड़ ने जान दी

बीकानेर, (कासं)। रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक होटल में बीकानेर के निवासी व्यक्ति द्वारा सुसाइड करने का मामला सामने आया।

पुराना पावर हाउस के सामने (बीकानेर) के रहने वाले 45 वर्षीय श्यामसुंदर जीनगर ने होटल के एक कमरे में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस जब कमरे में दाखिल हुई तो श्यामसुंदर का शव पंखे से लटका हुआ मिला।

पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और मौका-मुआयना करते हुए घटना स्थल की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करवाई ताकि मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच की जा सके। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मृतक के परिजनों को इस घटना की सूचना दे दी गई है। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। श्यामसुंदर लम्बे समय से होटल में ही रह रहा था। पुलिस की शुरूआती जांच के अनुसार श्यामसुंदर जीनगर पिछले काफी लम्बे समय से इसी निजी होटल में एक कमरा किराये पर लेकर अकेले रह रहा था।

सार-समाचार

जल संरक्षण कार्यों को जांचा

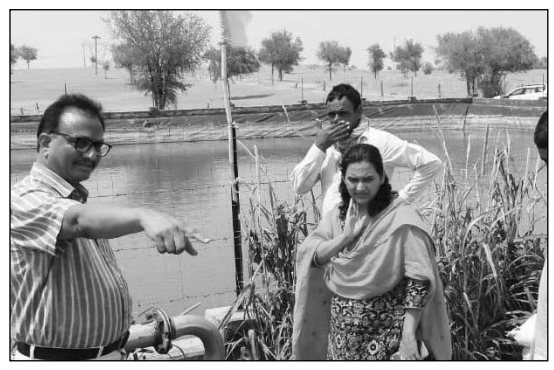
बीकानेर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पाण्डे ने जल संरक्षण कार्यों का अवलोकन किया।

बीकानेर, (कासं)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला परिषद बीकानेर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे ने कतरियासर का दौरा कर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत संचालित जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति, उपयोगिता तथा ग्रामीण क्षेत्र में उनके प्रभाव की जानकारी ली। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने टांका, फार्म पौंड तथा डिग्गी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से इन कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं लाभार्थियों को होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाने, भूजल स्तर सुधारने तथा कृषि गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्रीमती पांडे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा इनके दीर्घकालिक रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे आमजन को इनका अधिकतम लाभ मिल सके। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने ग्राम क्षेत्र में फलदार पौधों का रोपण भी किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आव्हान किया। इस अवसर पर जलग्रहण विकास विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश अजाड़ीवाल सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला परिषद में पौधरोपण किया

बीकानेर, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला परिषद बीकानेर परिसर में 'एक पेड़ लोकतंत्र के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद बीकानेर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती शैलजा पांडे तथा विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के वित्तीय सलाहकार मोहम्मद मोहसीन खान ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती शैलजा पांडे ने कहा कि 'वृक्ष जीवन का आधार हैं और वृक्ष देव तुल्य हैं। पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का संकल्प नहीं, बल्कि आने वाली पीढियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पावन पर्व को वृक्षारोपण से जोड़ने की यह पहल समाज में पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनेगी। वित्तीय सलाहकार मो. मोहसीन खान ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

बीकानेर, राजरतनबिहारी मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह में गुरुवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव औरनंदोत्सव हषौल्लास और धूमधाम से मनाया गया। श्रीमद्भागवतकथा के चौथे दिन कथा का वाचन करते हुए मथुरा से आए माधव शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य और नंद के आनंदभयो, जय कन्हैया लाल की का प्रसंग सुनाया, पूरा पांडालतालियों की गड़गड़ाहट और जय श्रीकृष्णा के जयकारों सेगुंजायमान हो उठा। नंदोत्सव पर मंदिर परिसर को विशेष रूप सेगुब्बारों, पुष्पों और झांकियों से सजाया गया। इस दौरानश्रद्धालुओं पर केसर-गुलाल की वर्षा की गई।

महज 23 एम.एम. बारिश ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोली

बीकानेर, (कासं)। बीती रात आये तूफान और महज 23 मिमी. बारिश ने बीकानेर नगर निगम की मानसूनी तैयारियों की पोल खोलकर रख दी।

पहली बारिश ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम और निगम के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। अभी 15 जून से प्री-मानसून और जुलाई में मुख्य मानसून का दौर शुरू होना बाकी है, लेकिन निगम प्रशासन अब तक नालों की सफाई के टेंडर और वर्क ऑर्डर तक फाइनल नहीं कर पाया है। बंद कमरों में बैठकर शहर बदलने का दावा करने वाले अधिकारियों की लापरवाही का नतीजा जनता भुगत रही है। सबसे बदतर हालात तो खुद नगर निगम मुख्यालय के हैं।

रात की बारिश के बाद निगम के दोनों मुख्यद्वारों पर इस कदर पानी भरा कि कर्मचारी दफ्तर के भीतर नहीं घुस पाए और अपनी समस्याओं को लेकर आए आम लोग गेट से ही बैरंग लौट गए। निगम से लेकर सूरसागर तक सड़क पर गंदा पानी भरना स्थायी समस्या बन चुका है।

शहर में मुख्य डाकघर से चौखूंटी पुलिया तक की मुख्य सड़क धंस चुकी है। नीचे नाला बह रहा है। इसे बनने में कम से कम 6 महीने लगेंगे, जो मानसून में राहगीरों के लिए बेहद खतरनाक साबित होगी। पुरानी गिन्नाणी में फर्नीचर रोड के आगे मोड़ पर नाले के करीब 50 मीटर फैरोकवर गायब हैं और दूसरी तरफ सीवरेज का गहरा गड्ढा खुदा पड़ा है। वहीं भास्कर प्लांट के पीछे रामदेव मंदिर के पास पूरा मोहल्ला सीवरेज ओवरफ्लो के कारण डूब चुका है और स्थानीय निवासी इस नरकीय हालात में जीने को मजबूर हैं।

- **रात की बारिश के बाद निगम के दोनों मुख्यद्वारों पर इस कदर पानी भरा कि कर्मचारी दफ्तर के भीतर नहीं घुस पाए**
- **निगम प्रशासन अब तक नालों की सफाई के टेंडर और वर्क ऑर्डर तक फाइनल नहीं कर पाया**

यूडीएच मंत्री के दौरे के समय अमले ने मुस्तैदी दिखाकर पानी निकाल दिया था, लेकिन उनके जाते ही स्थितियां फिर जस की तस हो गई हैं। निगम से लेकर सूरसागर तक सड़क पर गंदा पानी अब एक स्थायी समस्या बन चुका है।

यूडीएच मंत्री दौरे पर आये तो अमले ने मुस्तैद होकर पानी निचोड़ दिया लेकिन मंत्री के जाते ही स्थितियां फिर जस की तस हो गई। नए निगम प्रशासन ने तो अभी तक वल्लभ गार्डन की पाल टूटने के उस खौफनाक मंजर का सामना ही नहीं किया है। जहां पाल टूटते ही चार कॉलोनियां पूरी तरह जलमग्न हो जाती हैं। सड़कों पर जहां भी गड्ढे हैं, उन्हें भरा जाए और टेक्नोक्राफ्ट के सारे अधूरे छोड़े गए पैचवर्क को पूरा कराया जाए। नगर निगम रोड, ढोलामारू होटल, कलेक्ट्रेट परिसर जैसे इलाकों के नाले प्राथमिकता से साफ हों।

करंट लगने से सांड की मौत

जसरासर, (कासं)। जसरासर कस्बे के बिश्नोई बास में शुक्रवार को बिजली के लोहे के खंभे में करंट आने से एक सांड की मौत हो गई।

यह घटना बिश्नोई बास में हुई जहां बारिश के दौरान बिजली के खंभों में करंट आने की शिकायतें अक्सर मिलती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार को सांड लोहे के खंभे की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि अन्य स्थानों पर लोहे के खंभे बदल दिए गए हैं, लेकिन बिश्नोई बास में कुछ लोहे के पोल अभी भी नहीं बदले गए हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि इस तरह के हादसों की चपेट में कोई मनुष्य या बच्चे भी आ सकते थे, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था।

इस घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने संबंधित विभाग से पुराने लोहे के खंभों को तुरंत बदलने और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

बीकानेर में तेज बारिश से कई इलाकों में पानी भरा

बीकानेर, (कासं)। शहर और आसपास के क्षेत्रों में गुरूवार देर रात मौसम बदला। रात करीब 11 बजे शुरू हुई बारिश धीरे-धीरे तेज होती गई और मध्यरात्रि तक मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहा। तेज बारिश के कारण शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया और जनजीवन प्रभावित हुआ।

बारिश के दौरान जवाहरनगर, अंत्योदय नगर, मुरलीधर व्यास कॉलोनी, जस्सूसर गेट, करमीसर और श्रीरामसर सहित कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। तेज बरसात से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया। बारिश और तेज हवाओं के कारण शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। रात करीब 12:45 बजे कई इलाकों की बिजली गुल हो गई, जिससे लोगों को कुछ समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि मौसम में आई ठंडक के कारण गर्मी से राहत महसूस की गई और कई लोगों ने खुले स्थानों में रात गुजारी।

शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश का असर देखने को मिला।

- **लूणकरनसर क्षेत्र में देर रात अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ बारिश हुई**

लूणकरनसर क्षेत्र में देर रात अचानक मौसम बदला और तेज गर्जना के साथ बारिश हुई। आसमान में काले बादल छा गए और आकाशीय बिजली लगातार चमकती रही। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ घंटों में भी अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों को आकाशीय बिजली और खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। यह बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है। खेतों में बुवाई का समय नजदीक होने के चलते अच्छी वर्षा को सकारात्मक माना जा रहा है।

देशनोक में देर रात तूफान के साथ बारिश

देशनोक, (कासं)। देशनोक क्षेत्र में बीती देर रात करीब 11 बजे मौसम ने अचानक करवट ली। दिनभर की भीषण गर्मी और उमस के बाद रात को तेज तूफान, धूलभरी आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम में आये इस बदलाव से क्षेत्रवासियों को गर्मी से बड़ी राहत मिली और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि रात करीब 11 बजे के बाद अचानक तेज हवाएं चलने लगी जिससे चारों ओर धूल के गुबार छा गए। कुछ ही देर में मौसम पूरी तरह बदल गया और बारिश शुरू हो गई। तेज हवाओं और बारिश के कारण कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित रहा तथा लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।

पिछले कई दिनों से देशनोक क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में था। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में देर रात हुई बारिश लोगों के लिए राहत लेकर आई। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया और वातावरण में ठंडक घुल गई। लोगों ने घरों की छतों और बाहर निकलकर बदले हुए मौसम का आनंद लिया।

- **तेज हवाओं और बारिश होने पर गर्मी से लोगों को राहत मिली**

देर रात हुई इस बारिश से आमजन के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी। मौसम विभाग की ओर से आगामी दिनों में भी मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है।

करंट से मजदूर की मौत

नोखा, (कासं)। नोखा थाना क्षेत्र के पारवा गांव स्थित टोल नाके के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक हादसे में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मध्यप्रदेश निवासी अमन पटेल के रूप में हुई।

वह नेशनल हाईवे अथॉरिटी की ओर से सड़क किनारे लगाये जा रहे लोहे के सूचना बोर्ड के कार्य में लगा हुआ था। जानकारी के अनुसार अमन पटेल लोहे का बोर्ड फिट करने का काम कर रहा था। इसी दौरान बोर्ड पास से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से करंट की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नोखा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी सहित 12 हरे पेड़ काटे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर रामसर गांव में 12 हरे पेड़ काटने का मामला सामने आया है। इनमें सात पेड़ खेजड़ी के हैं। जिस खेत में यह घटना हुई है वहां सोलर प्लांट लगाने का काम चल रहा है।

राज्य सरकार ने भले ही खेजड़ी की कटाई पर प्रतिबंध लगा दिया हो, लेकिन चोरी छिपे यह काम बदस्तूर जारी है। कहीं ग्रामीणों की जागरूकता से मामले उजागर हो जाते हैं तो कहीं पर धन और बाहुबल के कारण खामोशी छाई रहती है। रामसर में एक बार फिर पेड़ काटने की घटना हुई है।

वन माफिया दोपहर करीब तीन बजे पेड़ों पर आरी चला रहे थे। आरी की आवाज पास की ढाणी में बैठे किसान भंवरलाल के कानों में पड़ी तो उन्होंने गांव वालों को सूचना कर दी। ग्रामीण इकट्ठे होकर मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्हें देखते ही पेड़ काटने वाले लोग पिकअप में सवार होकर दौड़ गए। घटना की सूचना मिलने के बाद नापासर थाने के एएसआई मूलाराम भी मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद हल्का पटवारी आशीष कस्वां भी आ गए। उन्होंने कटे हुए पेड़ों की फर्द रिपोर्ट तैयार की है। कस्वां ने बताया कि कुल 12 पेड़ काटे गए हैं, जिनमें सात खेजड़ी, चार रोहिड़ा और एक शीशम का है। उन्होंने बताया कि इस खेत में सनश्योर कंपनी सोलर लगवा रही है। हालांकि यह कंपनी अभी राजस्व रिकॉर्ड में नहीं है। मूंडसर की एक स्थानीय फर्म को यह काम दिया हुआ है। आज जब विश्व मरूस्थलीकरण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है।

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर
केन्द्रीय पूल

क्रमांक :- एफ/पूल/2026/115 दिनांक :- 03/06/2026

निविदा सं. 01/2026

वर्ष 2026-27 के लिए स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर स्थित कार्यालयों के लिए आवश्यकतानुसार मुख्यालय से बाहर जाने व स्थानीय कार्य हेतु वाहन किराये पर लिये जाने हेतु यात्री वाहन (Taxi) व बस ए.सी. व नोन ए.सी. किराए पर लेने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:-

निविदा क्रय करने की दिनांक व समय	निविदा जमा कराने की दिनांक व समय	उपापन समिति द्वारा निविदा खोलने की दिनांक व समय	निविदा फार्म क्रय करने की राशि	धरोहर राशि	अनुमानित राशि
दिनांक 03.06.2026 से दिनांक 10.06.2026 दोपहर 12.00 बजे तक	दिनांक 10.06.2026 दोपहर 1.00 बजे तक	दिनांक 10.06.2026 दोपहर 2.00 बजे	1000/-रू.	10,000/-रू.	5,00,000 रू.

NIB Code : SKA2627A0009

राज.संवाद/सी/26/4260 पूल अधिकारी

राजस्थान सरकार
सार्वजनिक निर्माण विभाग
(अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 19(1) एवं राजस्थान नियम 21(1) के अधीन घोषणा।

संख्या- तारीख

प्रपत्र-9
भूमि अवाप्ति की घोषणा

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का अधिनियम संख्या 30) की धारा 19(1) एवं नियम 21 (1) के अन्तर्गत राज्य सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रोजन राजस्थान राज्य के बीकानेर जिले के लूनकरणसर तहसील में Constt of Two Lane (RUB) in Lunkaransar of Railway Chainage 245/5-6 Bikaner के निर्माण कार्य हेतु ग्राम लूणकरणसर तहसील लूणकरणसर जिला बीकानेर में कुल 0.1402 हैक्टेयर भूमि आवश्यक है।

अतः घोषणा की जाती है कि मानक माप के अनुसार कुल 0.1402 हैक्टेयर भूमि के खंडों का उपरोक्त परियोजना के लिए ग्राम लूणकरणसर तहसील लूणकरणसर जिला बीकानेर की भूमि का सार्वजनिक प्रयोजनार्थ हेतु अधिग्रहण किया जाना है जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

धारा 19(1) के अन्तर्गत भूमि अवाप्ति की घोषणा

क्र. सं.	खसरा संख्या	हितबद्ध व्यक्तियों का नाम	गांव का नाम	भूमि की किस्म	कुल क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	क्षेत्रफल अवाप्त (हैक्टेयर)	भूमि का प्रकार	उ.	द.	पू.	प.
1	2075/882	1 मण्डी विकास समिति हिस्सा पूर्ण संस्था के लिए (दुकान संख्या 44 से 51 कुल 8 दुकान प्रभावित है)	लूनकरणसर	बारानी 2	11.9647	0.0426	निज 1	261	521	533	263
2	178/9/1561	राज सरकार	लूनकरणसर	बारानी 2	24.7500	0.0975	सरकार 1	774	678	874	2031/87
			कुल			0.3402					

यह घोषणा भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुर्नव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 30) की धारा 15 के तहत इच्छुक और हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों की सुनवाई और जांच के बाद की जा रही है। उपरोक्त परियोजना हेतु की जा रही भूमि अवाप्ति से कोई भी व्यक्ति/परिवार विस्थापित नहीं होने से पुनर्वासन और पुर्नव्यस्थापन योजना की आवश्यकता नहीं है। अर्जित की जा रही भूमि के नीचे स्थित खनिजों का उपर्युक्त परियेाजना के निर्माण हेतु खड्डे खोदने हटाने व निर्माण में प्रयुक्त करने के सिवाय खनन नहीं किया जावेगा।

भूमि अवाप्ति योजना (एल.ए.पी.) का निरीक्षण किसी भी कार्य दिवस पर भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी लूाकरणसर के कार्यालय में किया जा सकता है।

(आर.के. लूथरा)
संयुक्त सचिव (पथ)
सार्जनिक निर्माण विभाग

DIPR/C/9476/2026

मानसून से पूर्व नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करें : कलेक्टर

बीकानेर, (कासं)। आगामी मानसून को देखते हुए जिला कलेक्टर निशांत जैन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में जलभराव की संभावित स्थिति से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को मानसून आगमन से पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि वर्षा के दौरान शहर में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से उन स्थानों की पहचान कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जहां पूर्व वर्षों में जलभराव की स्थिति बनी रही है। बैठक में जिला कलेक्टर ने नगर निगम एवं बीकानेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए ड्रेनेज सिस्टम की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं।

बीकानेर कलेक्टर निशांत जैन ने मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर निगम व बीडीए अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि मानसून से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। इससे पूर्व निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलानीचामी व निगम के अधीक्षण अभियंता चिराग गोयल ने शहर के जल भराव वाले प्रमुख स्थानों वल्लभ गार्डन, निगम के सामने,सुजानदेसर, खुदखुदा आश्रम, कोठारी हॉस्पिटल के पास,ढोला मारू के पास, माणक गेस्ट हाउस, किसमीदेसर, गंगाशहर रोड़, चौखूंटी पुलिया,कोटगेट, पुलिस लाइन चौराहा, जयपुर रोड़ पर सोफिया स्कूल के सामने इत्यादि जगहों पर बारिश से पूर्व लघु अवधि में किए जाने वाले व दीर्घकालिक किए जाने वाले कार्यों के बारे में जिला कलेक्टर को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बताया कि शहर के प्रमुख नालों की सफाई के टेंडर हो चुके। नालों की सफाई का कार्य चल रहा है।